

बोधराज सीकरी की मुहिम ने किया 192000 हनुमान चालीसा पाठ का आँकड़ा पाठ।



हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य देवता जी को अर्पण : बोधराज सीकरी

भास्कर ब्यूरो

गुरुग्राम। मंगलवार 30 मई दोपहर तीन बजे से साढ़े पाँच बजे के बीच में परम श्रद्धेय हृदेवता जीह महाराज, जो बालाजी मंदिर शिवाजी नगर, गुरुग्राम की संयोजिका थी और हनुमान जी की अनन्य भगत थी, की तेरहवीं और प्रार्थना सभा, आशीर्वाद गार्डन, ज्योति पार्क, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम, में दो हजार से अधिक लोगों ने सम्मिलित होकर महान विभूति को भाव-भीनी श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि उपरांत सभी ने सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का तीन बार पाठ किया। संत



लाल आर्य, केंद्रीय श्री सनातन धर्म सभा गुरुग्राम के प्रधान सुरेंद्र खुल्लर, देवराज आहूजा, बाल कृष्ण खन्ना आदि के साथ उपस्थित रहे। प्रार्थना सभा और श्रद्धांजलि सभा का सकुशल मंच संचालन बोधराज सीकरी ने किया। संतों के प्रवचन और वक्तव्य उपरांत देवता जी के अनन्य शिष्य, जो बाला जी मंदिर, शिवाजी नगर, गुरुग्राम के प्रधान भी हैं, गजेंद्र गोसाई ने बोधराज सीकरी की अगुवाई में तीन बार संगीतमय ढंग से हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस प्रकार मुहिम के तहत 192000 की संख्या पार हुई। बोधराज सीकरी ने कहा कि आज के हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य हम देवता जी को अर्पण करते हैं। गजेंद्र गोसाई ने अंत के पंद्रह मिनट में बिना रुके निरंतर तीन बार हनुमान चालीसा के पाठ को संगीत का साथ लेकर गायनमय तरीका अपनाकर समावांधा क्योंकि माँ सरस्वती की गजेंद्र गोसाई पर अपार कृपा है और देवता जी के आशीर्वाद का पूर्ण हाथ। हनुमान चालीसा के पाठ और बोधराज सीकरी के वक्तव्य के बाद कन्हैया लाल आर्य ने जहाँ एक ओर धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया वहीं शांति पाठ से सभा का समापन किया।

अमर भारती

रण

एक उम्मीद

बोधराज सीकरी ने 192000 हनुमान चालीसा पाठ का आंकड़ा किया पार

► गंगेंद्र गोसाई ने बोधराज सीकरी की अगुवाई में तीन बार संगीतभय ढंग से हनुमान चालीसा का पाठ किया।
► हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य हम देवता जी को अर्पण करते हैं।

अमर भारती संवाददाता

गुरुग्राम। बालाजी मंदिर शिवाजी नार की संयोजिका हनुमान जी की अनन्य भक्त देवता जी महाराज की प्रार्थना सभा यहां ज्योति पार्क स्थित एक गार्डन में आयोजित की गई। इसमें दो हजार से अधिक लोगों ने समिलित होकर महान विभूति को भावभीति श्रद्धांजलि दी। श्रद्धाजलि उपरांत सभी ने सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का तीन बार पाठ किया। इस आयोजन में संत समाज भी मंच पर उपस्थित रहा, जिनमें जाने-माने संत शिरोमणि डॉ. स्वामी विवेकानन्द जी महाराज, परमाध्यक्ष भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रविन्द्रानन्द जी महाराज भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रुप नारायण दास चित्रकृष्ण, विनोद वैद गोसाई गोपीनाथ मंदिर गुरुग्राम, श्रद्धेय पुनम माता जी मां वैष्णो दरबार गढ़ी हरसरू, डॉक्टर अलका शर्मा ज्योतिषाचार्य और वास्तुकार, हरिधाम मंदिर श्री



मेहंदीपुर बालाजी, रुद्रपुर के संस्थापक मनीष जी महाराज, आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के संरक्षक कर्हैया लाल आर्य, केंद्रीय श्री सनातन धर्म सभा के प्रधान सुरेंद्र खुल्ला, देवराज आहूजा, बालकृष्ण खट्टी आदि के साथ उपस्थित रहे। गीत मनीषी स्वामी ज्ञाननंद ने आँड़ियो के माध्यम से अपने आशीर्वचन दिये। प्रार्थना सभा और श्रद्धांजलि सभा का संचालन बोधराज सीकरी ने किया। गंगेंद्र गोसाई ने बोधराज सीकरी की अगुवाई में तीन बार संगीतभय ढंग से हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस प्रकार मुहिम के तहत 192000 की संख्या पार हुई। बोधराज सीकरी

ने कहा कि हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य हम देवता जी को अर्पण करते हैं। मणमान्य व्यक्तियों में देवराज आहूजा, एचएस चावला, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, सुरेंद्र थेरेजा, हरीश कुमार, दिलीप लूथरा, ओपी कालरा, किशोरी लाल डुड़ेजा, उदय भान ग्रोवर, अशोक गोरा, राजकुमार कथूरिया, गिरिराज ढाँगड़ा, केसरदास ग्रोवर, श्याम ग्रोवर, राजेश गावा, ऑकित अलाथ, सुभाष अदलखा, किशोरी लाल, नरेश चावला, किशन चावला, लक्ष्मण पाहुजा, जयदयाल कुमार, वासदेव ग्रोवर समेत अनेक लोग शामिल रहे।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, हरियाणा (पलवल) एवं उत्तर-प्रदेश (बुलन्दशहर एवं मुरादाबाद) से एक साथ प्रकाशित

देव केसरी

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बोधराज सीकरी ने किया 192000 हनुमान चालीसा पाठ का आँकड़ा पार

देव केसरी / अखिल चन्दन

गुरुग्राम। मंगलवार 30 मई दोपहर तीन बजे से साढ़े पाँच बजे के बीच में परम श्रद्धेय देवता जी- महाराज, जो बालाजी मंदिर शिवाजी नगर, गुरुग्राम की संपोजिका थी और हनुमान जी की अनन्य भगवती थी, को तेहवी और प्रार्थना सभा, आशीर्वाद, गार्डन, ज्ञानि पार्क, न्यू कॉलेजी गुरुग्राम, में दो हजार से अधिक लोगों ने सम्मिलित होकर महान विभूति को भाव-भीने श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि उपरात सभी ने सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का



तीन बार पाठ किया। संत समाज भी मंच पर उपस्थित रहा जिनमें जाने-माने संत शिरोमणि डॉ. स्वामी विवेकानंद जी महाराज, परमार्थज्ञ, भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रविन्द्रनन्द जी महाराज भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रूप

नरायण दास चिक्कट, पूजनीय श्रद्धांजलि सभा कम और संत सम्मेलन का जावा लग रहा था, गुरुग्राम, श्रद्धेय पुनम माता जी माँ वैष्णो देवता, गङ्गा हरसरू, डॉक्टर अलका शर्मा जानी-मानी ज्ञानियाचार्य और वास्तुकार, (पुनम माता जी की बटी), हरिद्वार मंदिर श्री मेहंदीपुर बालाजी, रुद्रपुर के संस्थापक श्री मरीष जी महाराज, आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के संरक्षक श्री कन्हैया लाल आर्य, केद्रीय श्री सनातन धर्म सभा गुरुग्राम के प्रधान सुरेन्द्र खुल्ह, देव राज आहजा, बाल कृष्ण खज्जी आदि के साथ उपस्थित रहे। दृश्य की। प्रार्थना सभा और श्रद्धांजलि

सभा का सकृशल मंच संचालन बोधराज सीकरी ने किया। सभी के ब्योकि सभी शिरोमणि सभी ने अपने-अपने ज्ञान से मृत्यु और जीवन के रहस्य उजागर किए और मंदिर, शिवाजी नगर, गुरुग्राम के पुण्यालय के प्रति अपने-अपने भाव प्रस्तुत किये। सभी संत पुरुषों ने देवता जी के परिवार के सभी सदस्यों को छाइस बधाया और आशीर्वाद दिया। गीत मरीषी स्वामी ज्ञाननंद जी ने आँड़ों के माध्यम से अपने आशीर्वाद दिये व देवता जी द्वारा राम लक्ष्मी की पवित्र नारी अयोध्या में की गई तपस्या की उठाने भूरी-भूरी प्रशंसा की। प्रार्थना सभा और श्रद्धांजलि

के पाठ को संगीत का साथ लेकर गायनमय तरीका अपनाकर सभा बोंधा ब्योकि माँ सरस्वती की गंडे गोसाई पर अपार कृपा है और देवता जी के आशीर्वाद का पूर्ण हाथ। हनुमान चालीसा के पाठ और बोधराज सीकरी के बक्तव्य के बाद कन्हैया लाल आर्य ने जहाँ एक ओर धन्वन्तर प्रसाद प्रसुत किया वहीं शांति पाठ से सभा का समापन किया।

शहर का शायद ही कोई ऐसा सामाजिक गणमान्य या आध्यात्मिक या राजनीतिक व्यक्ति हो जो अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करने इस अवसर पर ना आया हो।

ਗੁਰੂਗ੍ਰਾਮ ਕੇਸਟੀ

Punjab Kesari, Delhi | 1 ਜੂਨ 2023, ਗੁਣਕਾਰ

1

ਬੋਧਰਾਜ ਸੀਕਰੀ ਦੀਆਂ ਹਨੁਮਾਨ ਚਾਲੀਸਾ ਕੀ ਚਲਾਈ ਗਈ ਮੁਹਿਮ ਪਹੁੰਚੀ 2 ਲਾਖ ਕੇ ਕੱਠੀਬ



ਗੁਰੂਗ੍ਰਾਮ, ਏਮਕੇ ਅਰੋਡਾ (ਪੰਜਾਬ ਕੱਸਰੀ): ਯੁਵਾਓਂ ਮੌਤ ਅਤੇ ਸੱਥੀ ਸੰਸਕਾਰ ਢਾਲਨੇ ਦੇ ਲਿਏ ਪੰਜਾਬੀ ਬਿਰਾਦਰੀ ਮਹਾਸੰਗਠਨ ਦੇ ਅਧ੍ਯਕਸ਼ ਵੱਡੀ ਸੀਏਸ਼ਾਰ ਟ੍ਰਸਟ ਦੇ ਉਪਾਧ੍ਯਕਸ਼ ਬੋਧਰਾਜ ਸੀਕਰੀ ਦੀਆਂ ਹਨੁਮਾਨ ਚਾਲੀਸਾ ਪਾਠ ਕੀ ਅਭਿਆਨ ਏਕ ਲਾਖ 92 ਹਜ਼ਾਰ ਕਾ ਆਂਕਡਾ ਪਾਰ ਕਰ ਚੁਕਾ ਹੈ। ਪੰਜਾਬੀ ਬਿਰਾਦਰੀ ਮਹਾਸੰਗਠਨ ਦੇ ਅਧ੍ਯਕਸ਼ ਵੱਡੀ ਸੀਏਸ਼ਾਰ ਟ੍ਰਸਟ ਦੇ ਉਪਾਧ੍ਯਕਸ਼ ਬੋਧਰਾਜ ਸੀਕਰੀ ਨੇ ਬਤਾਯਾ ਕਿ ਕੱਠੀਬ 3 ਮਾਹ ਪੂਰ੍ਬ ਤੱਤੀਨੇ ਯੁਵਾਓਂ ਕੀ ਅਚਛੇ ਸੱਥੀ ਦੇਨੇ ਦੇ ਲਿਏ ਸ਼ਹਰ ਦੇ ਵਿਭਿੰਨ ਕੇਂਦ੍ਰਾਂ ਵਿੱਚ ਹਨੁਮਾਨ ਚਾਲੀਸਾ ਪਾਠ ਕਾਰਘਕ ਕਾ ਆਯੋਜਨ ਸ਼ੁਰੂ ਕਿਯਾ ਥਾ। ਜਿਸ ਮੌਤ ਅਤੇ ਸੱਥੀ ਦੇਨੇ ਦੇ ਲਿਏ ਸ਼ਹਰ ਦੇ ਵਿਭਿੰਨ ਕੇਂਦ੍ਰਾਂ ਵਿੱਚ ਹਨੁਮਾਨ ਚਾਲੀਸਾ ਪਾਠ ਕੀ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

ਅਪਨੇ ਕੇਂਦ੍ਰਾਂ ਵਿੱਚ ਹਨੁਮਾਨ ਚਾਲੀਸਾ ਪਾਠ ਕਰਾਏ ਜਾਨੇ ਦਾ ਆਗ੍ਰਹ ਕਿਯਾ ਜਾ ਰਹਾ ਹੈ। ਬੋਧਰਾਜ ਸੀਕਰੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਏਕ ਲਾਖ 92 ਹਜ਼ਾਰ ਕਾ ਆਂਕਡਾ ਪਾਰ ਕਰਨੇ ਦੇ ਅਲਾਵਾ ਮੈਰੇ ਆਗ੍ਰਹ ਪਰ ਸੈਂਕਟਰ 12 ਸਿਥਿਤ ਯੋਗਾਚਾਰੀ ਸ਼੍ਰੀਮਤੀ ਮੰਜੂ ਸ਼ਰਮਾ ਦੀਆਂ ਹਰ ਮੰਗਲਵਾਰ ਦੀਆਂ ਯੋਗ ਕਥਾ ਦੇ ਬਾਦ ਹਨੁਮਾਨ ਚਾਲੀਸਾ ਪਾਠ ਕਰਾਵੇਗੇ। ਇਸ ਅਤਿਰਿਕਤ ਯੋਗ ਸਿਖਕ ਰਮਾ ਓਲਡ ਡੀਏਲਏਫ ਮੈਂ ਕਲਾਸ ਦੇ ਉਪਰਾਂ ਹਨੁਮਾਨ ਚਾਲੀਸਾ ਪਾਠ ਕਰਾਵੇਗੇ। ਬੋਧਰਾਜ ਸੀਕਰੀ ਨੇ ਬਤਾਯਾ ਕਿ ਜਾਮਪੁਰ ਬਿਰਾਦਰੀ ਦੇ ਸ਼ਿਵ ਮੰਦਿਰ ਈਸਟ ਑ਫ ਕੈਲਾਸ਼ ਮੈਂ ਸਾਡੇ 7 ਬਜੇ ਕੱਠੀਬ 30 ਲੋਗ ਸਾਮੂਹਿਕ ਰੂਪ ਦੇ ਮੰਦਿਰ ਦੇ ਪ੍ਰਧਾਨ ਬੋਧ ਰਾਜ ਸੀਕਰੀ ਦੇ ਆਹਿਨ ਪਰ 5-5 ਬਾਰ ਹਨੁਮਾਨ ਚਾਲੀਸਾ ਪਾਠ ਨਿਯਮਿਤ ਰੂਪ ਦੇ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਪਾਠ ਦੀ ਸੰਖਿਅਤ ਲਗਭਗ 200 ਅਲਗ ਸੰਖਾਵਾਂ ਹੋਤੀ ਹਨ।



नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फतेहाबाद से प्रकाशित

पार्यनियर

बोधराज सीकरी ने 192000 हनुमान चालीसा पाठ का आंकड़ा किया पार

दो हजार से अधिक लोगों ने महान विभूति देवताजी महाराज को श्रद्धांजलि दी

गजेंद्र गोसाई ने बोधराज सीकरी की अगुवाई में हनुमान चालीसा का पाठ किया

पार्यनियर समाचार सेवा | गुरुग्राम

बालाजी मंदिर शिवाजी नगर की संयोजिका हनुमानजी की अनन्य भक्त देवताजी महाराज की प्रार्थना सभा यहां ज्योति पार्क स्थित एक गार्डन में आयोजित की गई। इसमें दो हजार से अधिक लोगों ने सम्मिलित होकर महान विभूति को भावभीती श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि के उपरांत सभी ने सामूहिक श्रीहनुमान चालीसा का तीन बार पाठ किया।

इस आयोजन में संत समाज भी मंच पर उपस्थित रहा, जिनमें जानेमाने संत शिरोमणि डॉ. स्वामी विवेकानंद जी महाराज, परमाध्यक्ष भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रविन्द्रनन्दजी महाराज भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रूप नारायण दास चित्रकूट, विनोद वैद गोसाई गोपीनाथ मंदिर गुरुग्राम, श्रद्धेय पूनम माता जी मां वैष्णो दरबार गढ़ी हरसरू, डॉक्टर



गुरुग्राम में बालाजी मंदिर शिवाजी नगर की संयोजिका देवताजी महाराज की श्रद्धांजलि सभा में भजन प्रस्तुत करते गायक।

अलका शर्मा ज्योतिषाचार्य और वास्तुकार, हरिधाम मंदिर श्रीमहेंद्रीपुर बालाजी, रुद्रपुर के संस्थापक मनीषजी महाराज, आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के संरक्षक कहैया लाल आर्य, केंद्रीय श्रीसनातन धर्म सभा के प्रधान सुरेंद्र खुल्लर, देवराज आहूजा, बालकृष्ण खत्री आदि के साथ उपस्थित रहे। गीता मनीषी स्वामी ज्ञाननंद ने ऑडियो के माध्यम से अपने आशीर्वचन दिये। प्रार्थना सभा और श्रद्धांजलि सभा का संचालन बोधराज सीकरी ने किया। गजेंद्र गोसाई ने बोधराज सीकरी की अगुवाई में तीन बार संगीतमय ढंग से हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस प्रकार मुहिम के तहत 192000 की

संख्या पाए हुई। बोधराज सीकरी ने कहा कि हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य हम देवताजी को अर्पण करते हैं। गणमान्य व्यक्तियों में देवराज आहूजा, एचएस चावला, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, सुरेंद्र थरेजा, हरीश कुमार, दिलीप लूथरा, ओपी कालरा, किशोरी लाल डुडेजा, उदय भान ग्रोवर, अशोक गेरा, राजकुमार कथूरिया, गिरिराज ढींगड़, अनिल मनचंदा, केसरदास ग्रोवर, श्याम ग्रोवर, राजेश गाबा, अंकित अलघ, सुभाष अदलखा, किशोरी लाल, नरेश चावला, किशन चावला, लक्ष्मण पाहुजा, जयदयाल कुमार, वासदेव ग्रोवर समेत अनेक लोग शामिल रहे।

दैनिक मेवात

हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य देखता जी को अर्पण : बोधराज सीकरी

आगा के अनुकूल बृन्, जुलाउं, आसा तक और उसके ऊपरांत भी जारी होगा वह अभियान : बोध राज सीकरी

दैनिक मेवात संस्कारदाता

पुण्याप । शालाम 30 मई

प्रातः 10:00 बजे से लालौ दैनिक

के धीरे में भासा अंडाएँ 'देखता

जी' बनाया, जो जलाली बीट

मियावाई नाम, शुक्रापाप को

स्वर्णांशुका और अंडाकृष्णन को

को अवल बाया थी, को गोलीय

और चारों ओर, असांख्यों

गाई, असीं याहू, न्यू लालीने

पुण्याप, में दो इकाय से दृढ़िक

उल्लो न दृष्ट्यक्षम दोहा, लाल

मियावी को धय-धोनी लालौ लालौ

ही। अद्वायित उत्तरांश सभी के

सामूहिक भी हनुमान चालीसा को

तीन बार पढ़ किया। सभी धार्यान

सभी संघ तथा अकालीया तक नियम

जाने-यादै सह रियोपायि

जै अल्लाह कियाकों जी बायाव,

पासांपाल, भगवन् धाम वीत्तिर,

सामाजी लिवानाम जी बायाव,

सामाजी धाम हिंदुहा, लालौ लालौ

हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य देखता जी को अर्पण : बोध राज सीकरी



पुण्याप के दो दोस्त-अपर्न पाप
प्रमुख हिसों सभी लालौ लालौ ने देखता
जी के परिवार के सभी सदमों की
धार्यांप चंचाय और जालीलों, लालौ
नींगा लालौं लालौ लालौ लालौ जै ने
अर्पियों के मायाव में अपने
अर्पियों दिने व देखता जी द्वारा
जै लालौ को लेकर नामी अलोक
में जो गहर लालौ की लालौ लालौ-
भूमि पुण्याप की

प्रबृंह नाम और अद्वायित नाम
का महालूल मध्य भवालूल लोधरुप
देखता ने जालीलों के प्रजनन और
नवजन जालीलों के जनन-धर्या
प्रिया, जो बाया जी नाम, लियाव-
नाम, शुक्राप के प्रजनन ही है, लालौ
नींगार्ह ने बोधपाल लालौरी की
अनुष्ठान में तीन बार सालीलप धारा
से हनुमान चालीसा का पाठ किया

इस प्रकार शुक्रित के तहत 192000

की संख्या पर हुई।

नोपान लीकों ने कहा कि

जबके हनुमान चालीसा नाम का

पुण्य इन देवता की ओर अपने कर्त्ता

हैं गंगे गोदाई ने अंत के पांच

दिन जै लालौ के लियाव लालौ नाम

हनुमान चालीसा का पाठ को संगीत

का गाय लेकर लालौपाल लीकों

जो बाया लालौ लालौ जी लालौ

लालौ, लालौ लालौ, लालौ लालौ,

दिलालौ लालौ, भौ-भौ-जालौ,

लिलौ लालौ, लालौ लालौ, लालौ

लालौ, लालौ लालौ, लालौ लालौ

लालौ, लालौ लालौ, लालौ

हुमान रपोज

सम्पादक-संजय सार्थक

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ मुहिम ने किया 1 लाख 92 हजार आंकड़ा पार

जून, जुलाई, अगस्त तक और उसके उपरांत भी जारी रहेगा यह अभियान - बोध राज सीकरी

गुरुग्राम, बुलन्द खोज / लोकेश कुमार। माहाकाल 30 मई द्वादश तीन बजे से लालू पांच बजे के बीच में पास इटेंट देवता जी महाराज, जो बालाजी मंदिर शिवाजी नाम, गुरुग्राम की संस्थाजगत भी और हुमान जी की अन्यथा सभा, अशोकवाला गाँड़, ज्योति पाक, न्यू कलेनी हुमान, में दो हजार से अधिक लोगों ने समर्मलिंग होकर महान विभूति को भाव-भीमों श्रद्धाजलि दी। इटेंट भी उपरांत सभी



ने सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का तीन बार पाठ किया। सत समाज भी मच पर उपस्थित रह जिनमें जाने-माने सत शिवमणि डॉ. स्वामी विवेकानन्द जी महाराज, परमार्थदाता, भगवत् धाम हीरोडात, स्वामी विवेकानन्द जी महाराज भगवत् धाम हीरोडात, रुद्रपुर रूप नारायण दास चित्रकूट, पंजनीय विवेक वैद गोसाई गोसाई नाथ महाराज, गुरुग्राम, श्रद्धेय पूर्ण माता जी वैष्णो देवीर, गढ़ी हरसर, डॉक्टर अलका शर्मी जानी-मानी ज्ञानीतांत्रिकाचार्य और वास्तुकार, (पूर्ण माता जी की बेटी), हरिहर महिला श्री मेहेन्दीपुर बालाजी, रुद्रपुर के संस्थापक श्री महाराज, अवैतनिक सभा हीरोडायां के संस्थापक श्री कलैया लाल आर्य, केंद्रीय श्री सनातन धर्म सभा गुरुग्राम के प्रधान सुनेद सुख, देव राज आहूजा, बाल कला खेत्री अदि के साथ उपस्थित हैं।

दूसरे इटेंट लिंग सभा कम और संक्षेप समर्मलिंग सभा क्यादा लग रहा था, क्योंकि सभी शिवमणि संस्थाएं ने अपने-अपने ज्ञान से मृशु और जीवन के रहस्य उजागर किया और पुण्यार्थ के प्रति अपने-अपने भाव प्रस्तुत किये। सभी संघ पुरुषों ने देवता जी के परिवर्तक

सभी सदस्यों को शाक्त बंधुवादी और आशीर्वाद दिया। गीत मनीषी स्वामी ज्ञाननंद जी ने अंग्रेजी के माध्यम से अपनी शिवमणि सभा और इटेंट लिंग सभा का स्वामुश्ल भव्य संचालन को किया देवता जी द्वारा गम लक्ष की परिवर्तन नारी अद्योत्ता में की गई तपस्या की उल्लेख भूमि-भूमि प्रशंसन की प्रथम सभा और इटेंट लिंग सभा का स्वामुश्ल मच संचालन को विश्वासी सीकरी ने किया। सभी के प्रवचन और वक्तव्य उपरांत देवता जी के अनन्द विद्या, जो बाल जी भी, शिवाजी नाम, गुरुग्राम के प्रधान भी है, गजेंद्र गोसाई ने बोधराज सीकरी की अमृतवाई में तीन बार संसातमय हुए से हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस प्रकार मुहिम के तहत 192000 की संख्या पाठ हुई। बोधराज सीकरी ने

कहा कि आज के हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य हम देवता जी को अपर्ण करते हैं। गजेंद्र गोसाई ने अत के पंहां भिन्न भिन्न के निरत तीन बार हनुमान चालीसा के पाठ को संगीत का साथ लेकर गायनमय तरीका अपनाकर सभा बाधा बयोकि भी सरस्वती की गजेंद्र गोसाई पर अपर कृपा है और देवता जी के अशोकवाद का पूर्ण हाथ। हनुमान चालीसा के पाठ और बालजी जीकी के वक्तव्य के बाद कलैया लाल आर्य ने जहाँ एक और बध्यवाद प्रसाद व प्रस्तुत किया वही शाति पाठ से सभा का समापन किया। शहर का शहर ही कोई ऐसा समाजिक गणपत्य या आध्यात्मिक या हठजीविक व्यक्ति है जो अपने श्रद्धा सुमन अपिति करने वाला जी भी, एक विश्वासी लोग है। इनकी पाठ की संख्या लगभग 200 अंतर्गत होती है।

इथाम गोवर, राजेश गाढा, अंकित अलव, सुभाष अदलवा, किशोरी लाल, नरेश चावला, किशन चावला, लक्षण पाहुजा, जय दयाल कुमार, वासदेव ग्रेव, गोविंद आहूजा, ओम नरस्ता, बाल कल्याण खड़ी, केवर भान बवडा, राम लाल गोवर, यदुवीर चूपा, डॉ. एन.काला, एम.आर.कुमार, सरपाल नासा, बहू कर्मिया, सरसा चुटानी, सुभाष दुलजा, सुभाष नायाल, विजय वर्मा, सतीश वर्मा, ओम प्रकाश बंधु, रामराम टेका, सुभाष गोवर एकोकेट, सी.बी. मनचंदा, गोविंद आहूजा, पुषा नासा, ज्योतिस्त्रा बजाज, रमन बजाज, ज्योति वर्मा, रमेश मुंजाल, पी.एन. मोगिया, राजाल यामाचार्य ने की भागीदारी। भाजपा और अन्य राजनीतिक पार्टी से बहुत सारी कांकड़ी उपस्थित है, जिनमें प्रमुखत डॉक्टर परमेश्वर अरोड़, मुकुल शमा फलकान, कफिल दुआ, हाविंद कोहली, मरिट जा. क्रांति पार्टी के संयोजक अंकित अलव उपस्थित हैं। पंडित भीम दत्त ने गढ़ु पुण्य का समाप्ति विधिवृक्ष किया। बोध राज सीकरी के आहून पर सेक्टर 12 गुरुग्राम में योगाचार्य श्रीमती मंतु शमा हर मानवाकार को योग करतार उपरी हनुमान चालीसा पाठ करताती है और दूसरी योग विधिक रूप भी ओडल डी.एल.एफ. सेक्टर 14 में कलास के उपरांत हनुमान चालीसा का पाठ करता है। इनके अंतिम जामपूर विरहीनी के लिए मंदिर, इंस्ट ऑफ कैलेश में शम सात बजे लगभग 30 लोग सामूहिक रूप से मंदिर के प्रवाना बोध राज सीकरी के आहून पर पीच-पीच बार हनुमान चालीसा का पाठ नियमित रूप से कर रहे हैं। इनकी पाठ की संख्या लगभग 200 अंतर्गत होती है।

भारत सारथी

बोधराज सीकरी ने किया 192000 हनुमान चालीसा पाठ का आँकड़ा पार



भारत सारथी

संत समाज भी मौज रर उत्तरविधि
हिंदु विद्याम् जाने-मने संत शिरोपालि
द्वारा स्थापित विदेशकां जी हासिताव,
परमायात्मा, भावाकां जी हासिताव,
स्वामी एविदानन् जी महात्राज
भवति धाम हासिताव, स्वामी कृष्ण
विद्यावाच दास चिह्नकृत, पूजारीय
विद्यावाच देव गोसाई मार्गीनाथ महिं
गुरुमुख, ब्रह्मेय पूरम जामी जी
विद्यावाच दरवार, गहुः हसरु, डॉक्टर



20

अस्त्रकां दर्शने जानी भारी ज्योतिषाचार्य और वास्तुकुरं, (पूर्ण मताई वी की देखी), हिन्दूमणि मंटिर श्री भैरवेश्वर बालाजी, रुद्रपुर के संस्थापक श्री महाराज वी महाराज, आप प्रतिष्ठित सभा हरिहरायना के संरक्षक श्री काहीया लाल आर्य, केंद्रीय श्री मनानी वी रम्भ सभा गुरुग्राम के प्रब्राह्म सुनेद सुखन, देव राज आहाना, बाल कुण्ड खड्डी आदि के

साथ उत्तरवाची रहे।
दूसरे अद्वितीयति सभा कम और
संघ सम्मेलनों के बीच जागरूकता नहीं रही थी,
क्योंकि सभी शिरोपाल तंत्रों ने
अपने-अपने जगत् से मृत् और
जीव के बहुत ऊपर उठा कर दिया और
पुण्यतामा के प्रति अपने-अपने भाव
प्रस्तुत किए। सभी संघ पुष्टों ने
उनकी विवादों के परिवर्तन के सभी मद्दतों
को ठांड़स बंधाया और आरोहीं



1

प्राद्युम्नी और श्रद्धालुओं ने तीन महीने में रिया इस जारी सत्य को अपनी दी भाव-भीनी दिवाई।

पुण्य देवता जो को आणः
जाति सीकारी

जुलाई अगस्त तक और



जिनमें प्रमुखत डॉक्टर परमेश्वर अयोग्य, मुकेश शर्मा वहलवान, कपिल दुआ, हरविंद कोहली, सहित जन क्रांति पार्टी के संघोंका अधिकार अलग उपसंचयत हो। पौंडिंग भीम दत्त ने गहड़ पुराण का समाप्त विधिवर्धक किया।

बोध रात सामने की आजानक पर
संकेत 12 गुणमान में योग्यता को
विशेषजटीय रूप से बढ़ा देता है। वास्तविक को
योग कलास उत्पन्न हनुमान चालिया
पाठ करती है और इसीसे वह एक एक,
संकेत 500 वीं और अंतिम 500 वीं तक एक,
संकेत 14 में बदलने के उपरान्त
हनुमान चालिया का पाठ करना रहता
है। इससे अतिरिक्त जपन विधिरात्रि
के रिक्त योग, इसके अन्तिम क्रमांक
के रिक्त योग तक तभी लगाना 30 लोगों
सम्मिलित कर से मिट्टी के प्रथम
बोध रात सामने की आजानक पर
पूर्ण-पूर्ण वाहन हनुमान चालिया का
पाठ लगाने का समय कर रहा है।
इनकी पाठ की संख्या लगाना 200
लोगों से होती है।

लगभग साढ़े बारह हजार श्रद्धालुओं ने तीन महीने में 30 से अधिक स्थानों पर किया इस जारी संख्या का स्पर्श - देवता जी को दी भाव-भीनी विदाई।

हनुमान चालीसा पाठ का पूर्ण देवता जी को अर्पण बोधराज सीकरी

आशा के अनुरूप जून, जुलाई, अगस्त तक और उसके उपरान्त भी जारी रहेगा यह अभियान : बोधराज शीर्की

दिया गया था। यहाँ मर्माणी स्वामी अनंत राम के नाम से आजीवनीके साथसाथ से अपने आशीर्वाद दिये व देवता की द्वारा रम ललाच की पांच बारी नवारी अशोकी में भी उत्तरांश की दूसरी भूमि-भूमि प्रधानसंग की।

प्रधान संघ और श्रद्धालुओं सभा का सम्प्रत्यक्ष भूमि संचालन विधायक संघीयों ने किया। सभी के उपराजनी और विधायक उत्तरांश देवता की अनुष्ठान विधि, जो वाराणी और विद्यावाचस्पति रात्रि, युवाकाश के रूपान् भी है, गणेश गोपनीय से विधायक संघीयों की अपेक्षा भी जीव विधायक विधि से हल्लुबाटी वालिस्तान का पहल विधि की। इस प्रकार मन्त्रिम् ने दर्शक 19200 की संख्या रख दी।

पोषण विधीयों की काम के बाबत के बहुत सारी वालिस्तान पाठ की विधि एवं मन्त्र द्वारा की ओरांग करते हैं।

गंजेडे गोसाई के अंत के पंद्रह मिनट में विषय के लिए बहुत ज्यादा बहुमुखी चालिसांकों के पास को संरक्षित कर सकता है। लेकिन गवाहनवय तरीका अपवाहन समा वार्ष वर्षावाली में अन्यान्य कोशलताएँ भी आवश्यक हैं औं दिवासी जी के अधिकारीबंद का पूर्ण हाथ। हाम्पुनान चालिसांकों का फैट और ओपरेशन सीमों का बढ़काम के बाद यहां लाल अंडे जहाँ एक और अभ्यासक इस्तेमाल करना चाहिए ताकि उसे संपूर्ण विषय के लिए उपयोग किया जाए। शहर का नियम होकी एंसे सामाजिक गणना का

अभ्यासक्रम तथा अन्यानीक व्यवस्था हो जो अपेक्षा क्रद्धा सुधार करने वाली हो। अपेक्षा करने वाली इस अभ्यास पर तो आया हो। उम्मी के बच्चों के मध्य अध्या खड़ा रहे रहे थे। उहाँ ऊपर गमन के समै स्थिति अभ्यास करने वाली व्यवस्था विद्यार्थी ने अपने हाथों को पकड़ लिया और वहाँ पर्याप्त विद्यार्थी माहा संगठन के परिवर्तनीयों पर विशेष उत्प्रेरणित हो। विद्यार्थी दोपर को जो भवित्व

ओपन सर्व

बोधराज सीकरी ने किया 1,92,000 हनुमान चालीसा पाठ का आंकड़ा पार

लगभग साढ़े बारह हजार श्रद्धालुओं ने तीन महीने में 30 से अधिक स्थानों पर किया इस जादूई संख्या को स्पर्श

ओपन सचं/ विशेष संवाददाता
सत्योर भारद्वाज

मुरुग्राम। मांगलवर 30 मीटर दूरस्थ
तेज बजे से मध्ये पवन चेते की जैव
में 'प्राम रस्ट्रिं' 'देवता जी' महाराष्ट्र
को वालांची रेतर शिवाजी नगर,
मुरुग्राम को संस्कृतीय तेजी और
विभिन्न जीवों की अनुभाव भासी थीं।
तेजवां और प्राणवाणी सामाजिकीय
गांव, ज्योति पांडे, न्यू कॉलेजीनी
मुरुग्राम, में दो विभिन्न लोगों
में समर्पित होकर महाल जैविक
को भाव-भौती अवधोजित दी।
अद्वितीय उपरान्त सभी ने समर्पित
की हुएनन्द चालीसका की जैव चार
पठ किया।



- हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य देवता जी को अर्पण : बौद्धराज सीकरी

- आरा के अनुरूप जून, जुलाई, अगस्त तक और उसके उपरांत भी जारी रहेगा यह अभियान : वोध राज सीकरी

यह सराव खींचे में प्रभु उत्तरित
हुआ जिसमें जाने-में सह रिटोर्निंग
डॉ. बालाजी का नाम था। वह भवारी,
प्रसन्नता, भगवान् धाम इतिहास
संबंधी एक अद्यतन विषय है।
जैसे विषय ही बहुत दृढ़, यहाँ पर
नियमण दाम विषय है। यहाँ पर
नियमण वैज्ञानिक ही विषय है।
यहाँ पर विज्ञान विषय
नियमण वैज्ञानिक ही विषय है।
यहाँ पर विज्ञान विषय
नियमण वैज्ञानिक ही विषय है।
यहाँ पर विज्ञान विषय
नियमण वैज्ञानिक ही विषय है।

आहुजा, याल कुण्ड सुखी आदि के साथ उपस्थित रहे।

दूसरे अंतर्राष्ट्रीय यात्रा का और सेवन समर्पणका का जिम्मा लगा रहा था, जिसके सभी विकासी संस्कृति से अपने-अपने देशों से आये और अंतर्राष्ट्रीय यात्रा के दौरान उन्हें एक उत्तम विदेशी प्रवासी के रूप में देखा गया। इसीलिए और प्रश्नावालों की अपने-अपने देशों के विदेशी प्रवासी के रूप में देखा गया कि परिवर्तन के साथ सदस्यों को होना चाहिए और अवश्यक दिया। यात्रा की मात्रा यात्रकर्ता और उन्हें अनुबंधित किये गए विदेशी से आये अवश्यक दिये व देखा जाए गा ताकि दूसरे देशों की विविध नई अवधियों को जानने की जगह यात्रा की अवधि भी बढ़ाव दिया जाए।

मित्र में विवाह रुके रितरे तोन बाट
हनुमान चालोतो के बाट जो स्थिति
का स्थल रितरे गायबान तरीको
अग्रामाकर समा बोलो कर्तिक, मौ
सम्बत्सर की गोदंगो हाईर अपर
जाइ दुखी है और दिलो जो के अवशेष
का पूछ छाए। हामान चालोतो के
पाठ और चोपाठ स्थिती को
सम्बन्धित के बाट कर्त्तव्य लाल आये
जो जाइ कर और भवद्वय प्रतिवत
सम्बन्ध लाली बाली रात दो सम्बो
का समापन कियो।

रा न आया हो। सभी के बच्चे में
विभिन्न विकास रहे थे।

इन गुणों को सभी सामाजिक
और धार्मिक संस्थाओं और
एकायन व्यक्तियों द्वारा अपनी
विश्वासीता विकास करने
में विशेष लक्षण देखा गया।
विभिन्न विकास को विशेष
विवरण दिया गया था, जिसमें
विभिन्न विवरण में सहजाया
देना।

गणपत्य व्यवस्थाएँ में सभी ऐ
से विवरण दिये गये, एवं वाचाक,
वाचाक व्यवस्था, रेप्रेस कामान, रेप्रेस
कामान, अलिंगन कामान सुनी व्यवस्था,
विशेष कुमार, विलेप लक्षण,
विशेष कुमार, विशेष लक्षण
दिये गये।

हुँडेका, उद्धर भान प्रोत्ता, अशोक
पारा, राज कुमार कथधिया, मिशिराला
वारा, विजय मन्दस्त, कृष्ण दास
प्रबोध, इच्छाम प्रांत, रावेश गावा,
कल्पना किंतु अलंकृत, स्पृष्टि अद्वान
कृष्णराम, बीरोजी चाहा, विजया
वालाना, लक्ष्मण पालका, राज देवदत्त
कमार, वासुदेव प्रत्यार, खोर्चिं
दाम, अमृता देवी, वारा कुण्ठ
इक्की, भैरव भान वाला, एक बाबा,
एक, अर कुमार, सप्तराम नास,
विजय कर्त्तरी, भैरव भान वाला, भग्ना
हुँडेका, मेंरा भान वाला, विजय
वारा, सप्तराम वाला, अमृता देवी
उपरी, अमृता देवी वाला, विजय
वारा, सप्तराम वाला, अमृता देवी

एहोवेक्ट, सी. मी. मनचंदा, गोविंद
जाहूङ, वृनु नाया, ज्योतिश्चंद्र
कल्पक, रमान बराता, विजय कांग,
रमेश भैजाल, पी. एन. भौमिका,
गणपति योगेश्वरा को भागीदारी।

आखिर और अन्य दास्तावेजक
पाठी में बहुत सारे कार्यक्रम
उत्पन्न होते, जिनमें प्रमुखता :—
इष्टदाता परमेश्वर अंशुभाव, भक्तिर
सभा छठपत्तेला, कार्यक्रम द्वारा
उत्पन्न होते हैं, महिला बृन्द
पाठी के संयोगक्रम अंशुभाव
उत्पन्न होते हैं। एवं योंग
कार्यक्रम का उपरान्त हनुमान चालीसा
पाठ कराती है और दूसरे योगा
शिक्षक रथ मीटों को लेते हैं। एवं एक
दूसरे योगा शिक्षक को उपरान्त
हनुमान चालीसा का पठ कराती है।
इसके अनुसार इष्टदाता विद्यार्थी
के लिए मंदिर, इष्ट आदि के कलाकृति
में भासा रसा वस्त्र लगाना 30 लाख
मासिक रूप से भवा के लिए इष्ट के
प्रति विद्यार्थी के आधार का विद्यार्थी
पूर्ण रसा वस्त्र हनुमान चालीसा का
पाठ लिखना। इष्ट के साथ ही हैं
अन्यान्य पाठों को संस्कृत लगाना 200
अवधि के साथ ही है।

गुडगांव दुडे

हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य देवता जी को अपेण : बोधराज सीकरी

बोधराज सीकरी ने किया 192000 हनुमान चालीसा पाठ का आँकड़ा पार। लगभग साढ़े बारह हजार ब्रदालुओं ने तीन मरीने में 30 से अधिक स्थानों पर किया इस जाहुई संख्या को स्पृश-'देवता जी' को दी भाव-भीनी विदाई।

■ आरा के अनुरूप
जून, जुलाई, अगस्त
तक और उसके
उपरांत भी जारी
रहेगा यह अभियान :
बोध राज सीकरी।

गुडगांव दुडे, गुरुग्राम

मंगलवार 30 मई दोपहर तीन बजे से साढ़े पौवं बजे के बीच एसएस ब्रदेव देवता जीज महाराज, जी बालाजी भौदर शिवाजी नार, गुडगांव की संरोक्षक भी और हनुमान जी की अनन्य भगवान थी, की देवताओं और प्रार्थना सभा, अशीर्वद गाँड़, ज्योति पार्क, न्यू कालीनी गृहानाम, में दो हजार से अधिक लोगों के समिक्षित हालकर महान विष्णु की भाव-भीनी ब्रदालुओं दी। ब्रदालुल उपरांत सभी ने सामृद्धि भी हनुमान चालीसा का तीन बार पाठ किया।

संत समाज भी भूमि पर उपस्थित रहा किनमें जाने-भाने संत शिरोमणि

द्वारा स्वामी विवेकानन्द जी महाराज, एसएस खड्ग, भगवत थाम हरिदास, स्वामी गविनानन्द जी महायज्ञ भगवत थाम हरिदास, स्वामी रुच नवरात्रि दास विवेकद, एजनीती विलोक वेद गोसाई गोपेश्वर महिल गुरुग्राम, ब्रदेव पुण्य मारा जी मं वैष्णो दावर, गहों हसरक, ड्रावर अलका शमा जी-मानी ज्योतिपाचार्य और बालनकर, (पुण्य मारा जी की बेटी), हरिधाम महिल भी महेश्वरीपुर चालीसा, लड्डुपुर के संस्थापक जी भूमिप जी महाराज, अर्व ग्रान्तिनीति सभा हिंदूयाण के संरक्षक जी कीर्त्या लाल आर्य, एंट्रोपी जी सनातन धर्म सभा गुडगांव के प्रधान सूर्योदय सुखर, देव राज आहजा, बाल कृष्ण खड़ी आर्य के साथ उपस्थित हो।



पुरुषों ने देवता जी के परिवार के सभी भवस्यों को लालेस विद्या के नामाय से आपने अशीर्वदन दिये व देवता जी द्वारा साम लाल की पवित्र नारी अवस्था में की गई तस्वीर की उन्नते भूमि-भूमि शक्ति की।

इस ब्रदालुल सभा कम और संस समेतन का ज्यादा लगा रहा था, क्योंकि सभी शिरोमणि संतों ने अपने-अपने जान से झूमु और जीवन के रहस्य उत्तरां किए और पुण्यस्था के प्रति अपने-अपने भाव प्रदृश्य किये। सभी संत

जी मंदिर, शिवाजी नार, गुरुग्राम के प्रधान भी हैं, गवें गोसाई ने ब्रदालुल सीकरी की अगुवाई में तीन बार संसीप्रब दी। से हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस उक्तर मूलिम के तीन 192000 की संख्या पाठ हुई। ब्रदालुल सीकरी के कठा कुरुक्षेत्र के चार कहोंगी भी, वहीं पंजाबी विवादी में जारी एक और भव्यवाच प्रस्ताव दूष्टुत किया वहीं शांति पाठ से सभा का समापन किया।

गवें गोसाई ने अपने के पंडित मिट में विना स्कैन निरंतर तीन बार हनुमान चालीसा के पाठ को संगीत का साथ लेकर गावनमय तरीका अपनाकर समा वाया कर्तीक मी भरत्याती की गवेंद गोसाई पर अपार कुरु की और देवता जी के आशीर्वद का पुण्य होथ। हनुमान चालीसा के पाठ और बोधराज सीकरी के वकल के बाद कहोंगी लाल आर्य हाजिर भी, वहीं पंजाबी विवादी में संतान के वदाविकारियों की विशेष उपस्थिति रही, जिन्होंने दोषपत्र को भेजा ब्रदालुल प्रसाद विवरण में साझेंग दिया।

गवें गोसाई ने अपने भाव-भीनी विवरण में सर्व श्री देव राज आहजा, एच.एस.चवला,

पांडे द्वारा, रमेश कामार, रमेश कुमार, अनंत कमार, सुनीद देवजा, हरीस कुमार, फिलीन लूपार, ओ.पी.कालरा, किंशोरी लाल, इंद्रेन दुडेला, उत्तम भान श्रीवार, अलोक गंगा, राज कुमार गुरुग्राम, निरियाज दोंगाहा, अनिल मनदेव, कंकर दाम प्रोवर, रमेश ग्रीवर, राजेश गवा, अवित अलाप, सुभाष अलवद्वा, फिलोरी लाल, नेसा चालान, किशन कुमार, राज कुमार गुरुग्राम, जय दावल, ब्रह्म, बालदेव ग्रीवर, गोविंद आहजा, ओम नवता, लाल कुमार खड्डी, कंकर जान वक्तव्य, राम लाल गोवर, यदवेन जुगा, जी. ए.काला, एम.आर.हनुमार, सतपाल नासा, ब्रह्म कुमारिया, सभा दुर्दानी, सुभाष दुडेला, सुभाष नागल, विजय वर्मा, सतील वर्मा, ओम प्रकाश वंश, लखीरी टेक्का, सुभाष ग्रीवर, एडमेनेकेट, सी.की.मनवद, गोविंद आहजा, पुण्य नासा, न्योरेसन वजाजा, राजन वजाजा, ज्योति वर्मा, रमेश वृन्दावन, पी.एन.मार्तिया, राजपाल चालीसा ने की भागीदारी। भाजपा और अन्य गजनीविक

पांडी से बहुत सरे कार्यकारी उपर्याप्त हो, जिनमें प्रमुखता = डाक्टर परमेश अरोड़ा, मुकेश शर्मा पहलावान, कंपिल दुड़ा, हरिविंद कालेली, सहित जन कांग पांडी के संयोजक अंकित अलव उपस्थित हो। पांडी भीम दात ने गहरु पुराज का सम्बन्ध विविधकर किया।

योगी राज सीकरी के आह्नन पर सेक्टर 14 गुरुग्राम में योगाचार्य श्रीमती भंजु शाम द्वारा मंत्रालय की योग कलान उत्तरां हनुमान चालीसा पाठ करवाया है और दूसरी योग विवक्षक सभा भी ओडल जी.एल.एफ. सेक्टर 14 में कलान के उत्तरां हनुमान चालीसा का पाठ करवा रही है।

इसके अंतरिक आमपुर विवादी के लिव मंदिर, इंस्ट ऑफ कैलाला में शाम सह बजे लालभान 30 लोग सम्पूर्ण रूप से मंत्रिय के प्रधान योग राज सीकरी के आह्नन पर धूम-धूम बार हनुमान चालीसा का पाठ नियमित रूप से कर रहे हैं। इनकी पाठ की संख्या लगभग 200 अलग से होती है।

नये भारत का अखबार

गुड़गाँव मेल

दिल्ली के सभी जिलों, चण्डीगढ़ और दिल्ली में प्रसारित

हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य देवता जी को अर्पण : बोधराज सीकरी

आशा के अनुरूप जून, जुलाई, अगस्त तक और उसके उपरांत भी जारी रहेगा यह अभियान

चालीसा गुड़गाँव मेल

गुड़गाँव, 31 मई। 30 मई दोपहर तीन बजे से साढ़े चाँच बजे के बाच में परम श्रद्धेय देवता जी महाराज, जो चालीसी मंटप शिवाली नाम, गुड़गाँव की संस्थानिका थी और हनुमान जी की अन्य भावना भी, की तेहवाही और प्रार्थना, सभा, आशीर्वाद गाईन ज्योति पाठ, यू कलिनीनी गाईन, में से हजार से अधिक लोगों ने समर्पित होकर महान विभूति को भाव-भौति अद्वितीय दी। ब्रदाजील उपरांत सभी ने सामृद्धिक श्री हनुमान चालीसा का तीन बार पाठ किया।

संत समाज भी मंच पर उपस्थित रहा। जिनमें जाने-माने संत शिरोमणि द्वारा, श्वामी शिवेन्द्र कन्दू जी महाराज, परमायश, भगवत धाम हरिद्वार, श्वामी रघुदामन जी महाराज भगवत धाम हरिद्वार, श्वामी रघु नारायण दास चित्रकूट, पूजनीय विनोद वेद गोसाई और औरत के रहस्य उदाग फिए और अपने-अपने जान से मृप्तु और औरत के रहस्य उदाग फिए और पूनम माता जी भी वैष्णो दरबार, गंगी हस्त, डॉकर अलका ज्ञानी-मानी ज्योतिषाचार्य और देवता जी के परिवार के सभी



चालीसा, (पूनम माता जी की बेटी), हरिद्वार मंटप, श्री मंदिर द्वारा



सदस्यों की लाइसें बंधाया और अशीर्वद दिया। गीता, मनोरी श्वामी ज्ञाननंद जी ने अंडियो के

समाध से अपने आशीर्वादन दिये व देवता जी द्वारा राम लला की पवित्र नमर्ता अवैष्णवा में की गई तपस्या की उत्कृष्ण भूमि-भूमि प्रशंसा की।

दूसरे श्रद्धाजलि सभा कम और संत सम्मेलन का ज्ञान लगा रहा था, कर्तीक सभी शिरोमणि संतों ने अपने-अपने जान से मृप्तु और औरत के रहस्य उदाग फिए और पूनम माता जी भी वैष्णो दरबार, गंगी हस्त, डॉकर अलका ज्ञानी-मानी ज्योतिषाचार्य और देवता जी के परिवार के सभी



मीकरी के वक्तव्य के बाद कर्तीया लाल आर्ये ने जहाँ एक और धन्यवाद प्रस्तुत किया वहाँ

साति पाण से सभा का समापन किया। विशेष उपसंहित रही, जिन्होंने दोपहर को भेदभाव प्रसाद वितरण में संतान चालीसा पाठ का शायद ही कोई ऐसा

देव राज आहा, एवं एवं चालीसा, धर्मद वज्राज, रमेश कामरा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, सुरुद धर्मज, हरीप, कुमार, दिलीप सुधरा, गोविंद आहा, और नवलन, चालीसा कल्य खुर्ज, केवल भान चालीसा, राम लल गोवर, युद्धेन चुण, डी. एन. बाबाजा,

एम. अरु. कुमार, सत्यपाल नाना, ब्रह्म कर्मीराय, रमेश चुटानी, सुभाष दुडेजा, सुभाष नानापाल, विजय वर्मा, सतीश वर्मा, और पूर्णा कुमार, रमणीर टोडन, सुभाष गोवर एडवोकेट, सी. बी. मनवंदा, मंविंद अहजा, पृथु नाना, ज्योतिन वज्राज, रमेश वज्राज, ज्योति वर्मा, रमेश मृजाल, पी.एन. मंगिला, राजपाल योगाचार्य ने को भागीदारी।

भाजी और अच राजनीतिक पार्टी से बहुत सारे कालकाता उपसंहित रहे, जिनमें प्रमुखतः डिल्डर चर्चेश्वर अरोहा, मुकेश गांगा, पालवान, कलिल दुआ, हरविंद कोहली, सहित जन क्रांति पार्टी के संयोजक अंकित अलविज रहे।

पंडित भीष दत्त ने गहरे प्राण का समापन विधिवृक्ष किया।

ओंध राज सीकरी के आद्यान पर सेवट 12 शुभाम वैयागार्थ श्रीतंत्र मंत्र शान्ति रह मंसलवार को योग कलास उपरांत हनुमान चालीसा पाठ करवाया है और दूसरी योग शिक्षक राम भी ओल डी.एल.एफ. सेवट 14 में कलास के उपरांत हनुमान चालीसा का पाठ करवा रहे हैं।

इसके अंतिरिक्ष जामारु पिराटीरी के शिव मंदिर, ईंट और केलाल में ज्ञान लाल ज्ञान लाल 30 लोग सामृद्धिक रूप से मंदिर के प्रधान ओपर राज सीकरी के आद्यान पर चौथे चौथे वर्षा हैं और अनिल मनवंदा, केसर राम दीपांग, मंविंद अहजा, पृथु नाना, ज्योतिन वज्राज, रमेश वज्राज, ज्योति वर्मा, रमेश मृजाल, पी.एन. मंगिला, राजपाल योगाचार्य ने को भागीदारी।

दैनिक उजाला आज तक

राष्ट्रीय हिंदी समाचार पत्र

RNI No.-HARHIN/2016/71777

ujalaaajtak@gmail.com

गुरुवार, 01 जून 2023

वर्ष: 02, अंक: 68 पृष्ठ: 06, मूल्य: 3 रु. हरियाणा से प्रकाशित हिंदी दैनिक समाचार पत्र

बोधराज सीकरी
ने किया
192000 हनुमान
चालीसा पाठ का
आँकड़ा पार

गुरुग्राम भगत शर्मा उजाला आज तक गुरुग्राम में दोपहर तीन बजे से सहें धौंच बजे के बीच में एस्म श्रद्धेय इन्द्रेकांत जीह महाराज, जो बालाजी मंदिर शिवाली संत समाज भी मंच पर उपस्थित रहा जिनमें जाने-माने संत शिरोमणि डॉ. रवामी विवेकानन्द जी महाराज, एशियाई, भगवत् धाम हरिद्वार, रवामी गविन्दानन्द जी महाराज भगवत् धाम तेहवी और प्राकृति रमा, आशीर्वाद गड्डन, ज्योति पाठ, नूर कौरलीनी गुरुग्राम, में दो हजार से अधिक लोगों ने सम्प्रिति होकर महान विभूति को भव-भीनी श्रद्धाजलि दी। श्रद्धाजलि उपरात सभी ने समृद्धिक श्री हनुमान चालीसा का तीन बार पाठ किया।



जी की बैठी), हरियाम मंदिर श्री मेहेंदीपुर जी महाराज, आर्य प्रतिनिधि सभा बालाजी, लालपुर के संस्थापक श्री मनीष हरियाणा के संस्थक श्री कन्हैया लाल

आर्य, केंद्रीय श्री सतानन धर्म सभा गुरुग्राम के प्रबन्धन सुरेंद्र खुल्ला, देव राज अहजा, छत कुण्ड लक्ष्मी अदि के साथ उपस्थित रहे।

देव श्रद्धाजलि सभा कम और संत सम्प्रिति का ज्यादा लग रहा था, क्योंकि सभी शिरोमणि संतों ने अपने-अपने ज्ञान से मृत्यु और जीवन के रहस्य उजागर किए और पुष्ट्याणा के प्रति अपने-अपने भव व्यक्त किये। सभी सत् पुरुषों ने देवता जी के परिवार के सभी सदस्यों को दाढ़स बंधवा और आशीर्वाद दिया। गीता सीकरी की अगुवाई में तीन बार समीतमय

दंग से हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस प्रकार मुहिम के तहत 192000 की संख्या पर हुई। बोधराज सीकरी ने कहा कि आज के हनुमान चालीसा पाठ का पूर्ण हम देवता जी को अपना करते हैं। गजेट गोसाई ने अंत के घंटे मिनट में दिन रुके निरतर तीन बार हनुमान चालीसा के पाठ को संगीत का साथ लेकर गायनमय तरीका अपनाकर सभा बाजा लोकी मां सरस्वती की गजेट गोसाई पर अवार कृष्ण है और देवता जी के आशीर्वाद का पूर्ण हाथ।

ज्योति दर्पण

Website : www.jyotidarpan.com

दिनदी दैनिक

हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य देवता जी को अर्पण : बोधराज सीकरी

ज्ञानीय दृष्टिकोण संसाधनकारा
मुख्यमंत्री। लक्ष्मणराव ३८ वर्ष उपर्याप्त कीन
वाले थे जो बड़ी पूर्णता की सीधी वापर में विशेषज्ञता
देखता थे। गणकार्य, जो वासानी के गोपन
प्रयोगात्मक था, नहीं, बुद्धिमत्ता की विशेषज्ञता थी।
लक्ष्मणराव जब कोई अन्याय भी था, तो उसे
अपने दृष्टिकोण से विशेषज्ञता देखता था। एक दृष्टिकोण
की विशेषज्ञता थी। इसकी विशेषज्ञता थी।
जो वासानी के अन्याय था, तो उसे छापा देता
था। अपने दृष्टिकोण से विशेषज्ञता देखता था। अपने
दृष्टिकोण की विशेषज्ञता देखता था।
लक्ष्मणराव अपनी की विशेषज्ञता की
दृष्टिकोण की विशेषज्ञता देखता था।

दृश्य अवदानात् सर्वं कथं तत्र च च
सम्प्रेक्षणं का ज्ञात्य एवा यत् एव, कलोकि राहुषे
प्रियोऽपि स्मृते तदन्ते तदन्ते जने से प्राप्त



तीव्र भावाः, अपि वस्तु, यता कृष्ण
द्वयः, तेषां प्रभु वस्तुः, एव लक्ष विशेष
यमुण्डं तु वृंगुः, तु देव इत्याद्य, एवं यता वस्तु
विशेषं वस्तुः, यता कृष्ण द्वयः, तेषां पुनरुपां
युग्मं द्वयाः, तु यता वस्तुः, विशेषं वस्तु
विशेषं वस्तुः, यता कृष्ण द्वयः, तेषां पुनरुपां
युग्मं द्वयाः, तु यता वस्तुः, विशेषं वस्तु

इन्हां गों अब तारनीक पानी से पहुँच नहीं करते बल्कि उत्तमता है, जिसका असर यह है कि गों अब तारनीक पानी से नहीं चाहते, वर्षा द्वारा भरवाये गये पानी का लेने का इच्छा नहीं करते हैं। इन गों की पानी के लिए आपको इनका नाम लगवाना चाहिए कि वे गों वाले हैं जो अपने पानी के लिए बहुत ज्ञान विशेषज्ञ हैं।

वैष्णव इन गों को जग्नीया रा देखता है।

12 गुणात्मक वे वेदान्तीक लोगों में एक ही गों लंखलांग के पास कल्प लंखला लंखलांग वाले हैं। वैष्णव इन्हें यह बोलता है कि वे गों दूसरे वेदान्तीक लोगों की ओर से अधिक विशेषज्ञ हैं।

14 में गों के अपनी दृष्टिकोण लेखते हैं कि वे गों वाले हैं यदि इनकी गों वाली विशेषज्ञता वे गों वाले हैं। इनकी गों वाली विशेषज्ञता वे गों वाले हैं। इनकी गों वाली विशेषज्ञता वे गों वाले हैं। १० में गों वाली विशेषज्ञता वे गों वाले हैं। इनकी गों वाली विशेषज्ञता वे गों वाले हैं। ११ में गों वाली विशेषज्ञता वे गों वाले हैं। १२ में गों वाली विशेषज्ञता वे गों वाले हैं। १३ में गों वाली विशेषज्ञता वे गों वाले हैं। १४ में गों वाली विशेषज्ञता वे गों वाले हैं। १५ में गों वाली विशेषज्ञता वे गों वाले हैं। १६ में गों वाली विशेषज्ञता वे गों वाले हैं। १७ में गों वाली विशेषज्ञता वे गों वाले हैं। १८ में गों वाली विशेषज्ञता वे गों वाले हैं। १९ में गों वाली विशेषज्ञता वे गों वाले हैं। २० में गों वाली विशेषज्ञता वे गों वाले हैं।

आप का साथ हमारा विश्वास

एनसीआर टाइम

हिन्दी दैनिक पेपर

वीरवाद

गुरुग्राम

दिनांक : 1/6/23

आशा के अनुरूप जून, जुलाई, अगस्त तक और उसके उपरांत भी जारी रहेगा यह अभियान - बोध राज सीकरी



बोधराज सीकरी ने किया 192000 हनुमान चालीसा पाठ का आँकड़ा पार। लगभग साड़े बारह हजार श्रद्धालुओं ने तीन महीने में 30 से अधिक स्थानों पर किया इस जारी संख्या को लप्ता - "देवता जी" को दी भाव-भीनी विदाई।

हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य देवता जी को अर्पण : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम (एनसीआर टाइम) गुरुग्राम मंगलवार 30 मई दोपहर तीन बजे से साडे पाँच बजे के बीच में परम अद्वय "देवता जी" महाराज, जो बालाजी मंदिर शिवाजी नगर, गुरुग्राम की संयोजिका थी और हनुमान जी की अनन्य भगत थी, की तेरहवीं और प्रार्थना समाजीवाद गाढ़ने ज्योति पार्क, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम, में दो हजार से अधिक लोगों ने सम्मिलित होकर महान विभूति को भाव-भीनी श्रद्धाजलि दी। श्रद्धाजलि उपरांत सभी ने सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का तीन बार पाठ किया। संत समाज भी मंच पर उपरिथत रहा जिनमें जाने-माने संत शिरोमणि डॉ. स्वामी विदेशानंद जी महाराज, परमाध्यक्ष, भगवत धाम

हरिद्वार, स्वामी रविन्द्रानन्द जी महाराज भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रूप नारायण दास चित्रकृष्ण, गोसाई गोपीनाथ मंदिर गुरुग्राम, अद्वय पूनम माता जी मौं वैष्णो दरबार, गढ़ी हरसरु, डॉक्टर अलका शर्मा जानी-मानी ज्योतिषाचार्य और वास्तुकार, (पूनम माता जी की बेटी), हरिधाम मंदिर श्री मेहरदीपुर बालाजी, सुदूरपूर के संस्थापक श्री मनीष जी महाराज, आर्य प्रतिनिधि समा हरियाणा के संस्काक श्री कन्हैया लाल आर्य, केंद्रीय श्री सनातन धर्म समा गुरुग्राम के प्रधान सुरेंद्र खुल्लर, देव राज आहूजा, बाल कृष्ण खन्नी आदि के साथ उपरिथत रहे। दृश्य श्रद्धाजलि सभा कम और संत सम्मेलन का ज्यादा लग रहा था, क्योंकि सभी शिरोमणि संतों ने अपने-अपने ज्ञान से मृत्यु और जीवन के रहस्य उजागर किए और पुण्यतामा के प्रति अपने-अपने भाव प्रस्तुत किये। सभी संत पुरुषों ने देवता जी के परिवार के सभी सदस्यों को ढांडस बधाया और आशीर्वाद दिया। गीता मनीषी स्वामी ज्ञाननंद जी ने ऑडियो के माध्यम से अपने आशीर्वचन दिये व देवता जी द्वारा राम लल्ला की पवित्र नगरी अयोध्या में की गई तपस्या की उन्होंने भूरी-भूरी प्रशंसा की। प्रार्थना समा और श्रद्धाजलि सभा का सकृश्ल मंच सचालन बोधराज सीकरी ने किया। संतों के प्रवचन और वक्तव्य उपरांत देवता जी के अनन्य शिष्य, जो बाला जी मंदिर, शिवाजी नगर, गुरुग्राम के प्रधान भी है, गजेंद्र गोसाई ने बोधराज सीकरी की अगुवाई में तीन बार संगीतमय ढंग से हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस प्रकार मुहिम के तहत 192000 की संख्या पार हुई। बोधराज सीकरी ने कहा कि आज के हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य हम देवता जी को अर्पण करते हैं। गजेंद्र गोसाई ने अत के पद्धति में विना रुक्मि निरत तीन बार हनुमान चालीसा के पाठ को संगीत का साथ लेकर गायनमय तरीका अपनाकर समा बांधा क्योंकि मौं सरसवती की गजेंद्र गोसाई पर अपार कृपा है और देवता जी के आशीर्वाद का पूर्ण हाथ। हनुमान चालीसा के पाठ और बोधराज सीकरी के वक्तव्य के बाद कन्हैया लाल आर्य ने जहाँ एक ओर धन्यवाद

प्रस्ताव प्रस्तुत किया वहीं शांति पाठ से सभा का समापन किया। शहर का शायद ही कोई ऐसा सामाजिक गणमान्य या आध्यात्मिक या राजनीतिक व्यक्ति हो जो अपने श्रद्धा सुनन अपित करने इस अवसर पर ना आया हो। सभी के चक्षु में अश्रु धारा बह रही थी। जहाँ गुरुग्राम की सभी सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं और गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी हाजिरी भरी, वहीं पंजाबी बिरादरी महा संगठन के पदाधिकारियों की विशेष उपस्थिति रही, जिन्होंने दोपहर को भंडारा प्रसाद वितरण में सहयोग दिया।

गणमान्य व्यक्तियों में सर्व श्री देव राज आहूजा, एच.एस.चावला, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, सुरेंद्र थरेजा, हरीश कुमार, दिलीप लूथरा, ओ.पी.कालरा, किशोरी लाल डुडेजा, उदय भान ग्रोवर, अशोक गेंगा, राज कुमार कथूरिया, गिरिराज ढीगड़ा, अनिल मनचदा, केसर दास ग्रोवर, श्याम ग्रोवर, राजेश गावा, अकित अलघ, सुमाष अदलखा, किशोरी लाल, नरेंद्र चावला, किशन चावला, लक्ष्मण पाहुजा, जय दयाल कुमार, वासदेव ग्रोवर, गोविंद आहूजा, ओम नरुला, बाल कृष्ण खन्नी, कैवर भान बधावा, राम लाल ग्रोवर, यदुवंश घुग, डी.एन.व्हात्रा, एम.आर.कुमार, सतपाल नासा, ब्रह्म कथूरिया, रमेश चुटानी, सुभाष डुडेजा, सुभाष नागपाल, विजय वर्मा, सतीश वर्मा, ओम प्रकाश बधु, रणधीर टडन, सुभाष ग्रोवर एडवोकेट, सी.बी.मनचंदा, गोविंद आहूजा, पुष्पा नासा, ज्योतिसना बजाज, रवना बजाज, ज्योति वर्मा, रमेश मुंजला, पी.एन.मोंगिया, राजपाल योगाचार्य ने की भागीदारी। भाजपा और अन्य राजनीतिक पार्टी से बहुत सारे कार्यकर्ता उपरिथत रहे, जिनमें प्रमुखता: दू. डॉक्टर परमेश्वर अरोड़ा, मुकेश शर्मा पहलवान, कपिल दुआ, हरविंद कोहली, सहित जन क्रांति पार्टी के संयोजक अकित अलघ उपरिथत रहे।

पंडित भीम दत्त ने गण्डु पुराज का समापन विचिपूर्वक किया।

बोध राज सीकरी के आहवान पर सेक्टर 12 गुरुग्राम में योगाचार्य श्रीमती मंजु शर्मा हर भगवतार को योग वलास उपरांत हनुमान चालीसा पाठ करवाती है और दूसरी योग शिक्षक रमा भी ओल्ड डी.एल.एफ. सेक्टर 14 में वलास के उपरांत हनुमान चालीसा का पाठ करवा रही है। इसके अतिरिक्त जामपुर बिरादरी के शिव मंदिर, इंस्ट ॲफ कैलाश में शाम सात बजे लगभग 30 लोग सामूहिक रूप से मंदिर के प्रधान बोध राज सीकरी के आहवान पर पौंच-पौंच बार हनुमान चालीसा का पाठ नियमित रूप से कर रहे हैं। इनकी पाठ की संख्या लगभग 200 अलग से होती है।

3 | प्रधान संवादी
गर्व गति के लिए जो तेजी
सक्षम के साथ उत्तीर्ण सकता



पृष्ठ 11

6 | प्रधान मार्ग
गति विंदे के जीवन में उत्तीर्ण
लड़ी, जो तो

राष्ट्रीय दैनिक

8 | शब्द वाचन
उत्तीर्ण की जनसंख्या विभाग
एवं देश 260 लक्ष के गुरुता

जनसंख्या अनुसार लोकोन्मी का भी लिखावाला जी अस्तित्व
एवं उत्तीर्ण के लिए देश 260 लक्ष के गुरुता

10 | प्रधानमंत्री
सरकार जनसंख्या का का जनसंख्या का
अंतिम

12 | प्रधानमंत्री
गुरु गोसाई के जीवनी बुरुष से
महिला जीवनी - कलाकार लाल

जगत् क्रान्ति

लिटियाणा का दर्शकता लोकप्रिय हिन्दू देवता

E-paper : <http://jagatkranti.co.in>

E-mail: jagatkrantijind@gmail.com

ग्रन्ट (हाइटेक) से प्रकाशित

हनुमान चालीसा पाठ मुहिम ने पार किया किया 1 लाख 92 हजार का आंकड़ा

जगत् क्रान्ति ॥ एकके अदोऽङ्ग

गुरुग्राम : मंगलवार 30 मई दोपहर तीन बजे से साढ़े पाँच बजे के बीच में परम श्रद्धेय देवता जी महाराज, जो बालाजी मंदिर शिवाजी नगर, गुरुग्राम की संर्योजिका थी और हनुमान जी की अनन्य भगत थी, की तेरहवीं और प्रार्थना सभा, आशीर्वाद गाड़न, ज्योति पार्क, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम, में दो हजार से अधिक लोगों ने साम्मालित हाकर महान विभूति को भाव-भीने श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि उपरात सभी ने सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का तीन बार पाठ किया। संत समाज भी मंच पर उपस्थित रहे जिनमें जाने-माने संत शिरोमणि डॉ. स्वामी विवेकानन्द जी महाराज, परमार्थी, भगवत धाम हरिहर, स्वामी गविन्द्रानन्द महाराज भगवत धाम हरिहर, स्वामी रूप नारायण दास चित्रकूट, पूजनीय विनोद वैद गोसाई गोपेनाथ मंदिर गुरुग्राम, श्रद्धेय पूनम माता जी माँ



वैष्णो दरबार, गढ़ी हरसरू, डॉक्टर अलका शर्मा जानी-मानी ज्योतिषाचार्य और वास्तुकार, (पूनम माता जी की बेटी), हरिधाम मंदिर श्री महेंद्रपुर बालाजी, रुद्रपुर के संस्थापक मनीष महाराज, आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के संरक्षक श्री कहैया लाल आर्य, केद्रीय श्री सनातन धर्म सभा गुरुग्राम के प्रधान सुरेंद्र खुल्कर, देव राज आहूजा, बाल कृष्ण खन्नी आदि के साथ उपस्थित रहे। दृश्य श्रद्धांजलि सभा कम और संत सम्मेलन का ज्यादा लग रहा था, व्यक्ति सभी शिरोमणि संतों ने

अपने-अपने ज्ञान से मृत्यु और जीवन के रहस्य उजागर किए और पुण्यात्मा के प्रति अपने-अपने भाव प्रस्तुत किये। सभी संत पुरुषों ने देवता जी के परिवार के सभी सदस्यों को ढांचेस ब्रह्मा और आशीर्वाद दिया। गोता मनीषी स्वामी ज्ञाननन्द जी ने अंडियों के माध्यम से अपने आशीर्वचन दिये व देवता जी द्वारा राम लक्ष्म की पवित्र नगरी अयोध्या में की गई तपस्या की उठोने भूरी-भूरी प्रशंसा की। प्रार्थना सभा और श्रद्धांजलि सभा का सकुशल मंच संचालन बोधराज

सीकरी ने किया। संतों के प्रवचन और वक्तव्य उपरात देवता जी के अनन्य शिष्य, जो बाला जी मंदिर, शिवाजी नगर, गुरुग्राम के प्रधान भी हैं, गर्जेंद्र गोसाई ने बोधराज सीकरी की अगुवाई में तीन बार संगीतमय छंग से हनुमान चालीसा का पाठ किया।

गणमान्य व्यक्तियों में देव राज आहूजा, एचएस चावला, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, दलीप लूथरा, किशोरी लाल डुडेजा, उदय भान ग्रोवर, राज कुमार कथूरिया, मिरिराज लींगड़ा, अनिल मनचंदा, राजेश गावा, सुभाष अदलखा, लक्ष्मण पाहुजा, गोविंद आहूजा, बाल कृष्ण खन्नी, कैवर भान बधवा, राम लाल ग्रोवर, यशवंश चुंग, डॉएन क्रात्रा, एम.आर.कुमार, रमेश चुटाना, सुभाष ग्रोवर एडवोकेट, ज्योत्स्ना बजाज, रचना बजाज, ज्योति वर्मा, रमेश मुंजाल, पी.एन. मोंगिया, राजपाल योगाचार्य ने की भागीदारी। भाजपा और अन्य राजनीतिक पार्टी

से बहुत सारे कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुखता डा. परमेश्वर अरोड़ा, मुकेश शर्मा पहलवान, कपिल दुआ, हरिवंद कोहली, सहित जन ऋति पार्टी के संयोजक अंकित अलघ उपस्थित रहे। पडित भीम दत्त ने गरुड़ पुराण का समापन विधिपूर्वक किया। बोध राज सीकरी के आहूजन पर सेक्टर 12 गुरुग्राम में योगाचार्य मंजु शर्मा हर मंगलवार को योग वलास उपरात हनुमान चालीसा पाठ करवाती है और दूसरी योग शिक्षक रमा भी ओल्ड डी.एल.एफ. सेक्टर 14 में वलास के उपरात हनुमान चालीसा का पाठ करवा रही है। इसके अतिरिक्त जामपुर विरादी के शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में शाम सात बजे लगभग 30 लोग सामूहिक रूप से मंदिर के प्रधान बोध राज सीकरी के आहूजन पर पाँच-पाँच बार हनुमान चालीसा का पाठ नियमित रूप से कर रहे हैं। इनकी पाठ की संख्या लगभग 200 अलग से होती है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

ह्यूमन इंडिया

हम बनेंगे आपकी आवाज

हम बनेंगे आपकी आवाज

बोधराज सीकरी ने किया 192000 हनुमान चालीसा पाट का आँकड़ा पार



- लगभग साढ़े बारह हजार प्रद्वानियों ने तीन महीने में 30 से अधिक स्थानों पर किया इस जादुई संख्या का सर्पण - देवता जी को दी भाव-भीनी विदाई।
 - हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य देवता जी को अपीण : बोधराज सीकरी
 - आशा के अनुरूप जून, जुलाई, अगस्त तक और उसके उपरान्त भी जारी रहेगा यह अभियान : बोधराज सीकरी

अपने-अपने जाति से मृत्यु और जीवन के गहरा उत्तमाग्रह किए। और पुण्यकालों के प्रति अपने-अपने भाव रसायन किए। सभी तत्त्वज्ञानी देवता जी के परिचय के सभी सदस्यों द्वारा देखा गया था। इन्होंने देवता जी की परिवार के सभी सदस्यों को अल्पावधि दिये और देवता जी को द्वारा देखा गया ललता की परिवार नामी अधीक्षा में की बड़ी तपश्चारा को उठाकर भूमि पर्याप्त रखा।

अन्यथा लिखत, जो तात्कालीन मार्द, विवाहीत नारा, युवामुख के प्रकार ही हैं, गोरंड गोराई के बोधारां संस्कृती के अनुग्रह में तीन वर्ष संपादित विषय से इनमें एक हमारा चालिसांका का पाठ दिया। इस प्रकार, मुहिम के तहत 192000 की संख्या पाठ हुई। इन गोरंड गोराई संस्कृती के बायों का अनुकरण करके आकर अहम हमारा चालिसांका का पाठ का पृष्ठ हम लिखने नीचे लिखा गया।

जहाँ एक और ध्वनिक प्रसंग प्रस्तुत किया जाता है उसमें सभी का समान निकला। इसका का लाभ ही यही एक्सामिनेशन के गणनाएँ वा यांत्रिकीय विधि हो जो अपने बद्दा सुनन अपेक्षित करते हैं इस विधि पर या न को। सभी के बीच में अन्तर बहुत बड़ी है। यही मुख्यतः की सभी सामग्रीक और अपेक्षित विधियों के बारे में बहुत अधिक जानकारी दी जाती है।

बाप यांचे सौकरी के आवाहन पर
संदर्भ 12. पुण्यात मॅनोलाल कांडे
यांची विशेष बुद्धी यांना हातावरकारी के
पांग करत आली हात्याकाण्डाची
पांग करविली होती और दुखी योगी
विशेषज्ञ यांना एक दुखी घोषित करता.
संदर्भ 14. मॅनोलाल के उत्तरांहात्याकाण्डाची
पांग करता यांना काढ करता होती है।
अतिथी यांना अपार दिवारी निवास
मरीत, इसी जोडीता में यांना शाम वापस
करता तथा 30 लोगों मासिकता करता
यांनी फ्रेग्म थोड़ा थोड़ा सौकरी के
आवाहन पर पांग-पांग करता आहोता यांना
यांची विशेष बुद्धी यांना काण्डाची संकेत
होती है कि इनी यांची पांग संभव नाही.

ਰਣ ਟਾਇਮਸ

बोधराज सीकरी ने किया 192000 हनुमान चालीसा पाठ का आँकड़ा पार। लगभग साढ़े बारह हजार श्रद्धालुओं ने तीन महीने में 30 से अधिक स्थानों पर किया इस जाटुई संख्या को स्पर्श - 'देवता जी' को दी भाव-भीनी विदाई।

हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य देवता जी को अर्पण : बोधराज सीकरी

○ आशा के अनुरूप जून, जुलाई, अगस्त तक और उसके ऊपरांत भी जारी रहेगा यह अभियान - बोध राज सीकरी

राजु गुप्ता
गुप्तमणि, (रण टाइप्स)।
महाराष्ट्राचा ३० मीट दोसरी तीन वर्षे से
सांझे पैच वर्षे के बीच येणे परम
अद्भुत देशवाला या महाराजा, जो
वाराणसी मंदिर विळाका नार, युग्मान
की सर्वोच्चता थी आणि हुमान जी
की अन्यथा भाल थी, तो तेहवी और
प्राचीन दस्ता, आरोग्याचा गारंड, ज्ञान
वर्ष, न्यू कलेन्टीन युग्मान, मैं दो
हजार से अधिक लोगांने समर्पित
होकर महान विष्णुपूर्णा भाव-भीने
अद्भुत ठिक दी। अद्भुतजी उपरांत
सुनी ते समर्पित एकी हुमान
वाचालिमा का तीन बार पाठ किया।



संत समेलन का ज्ञान लग रहा था,
क्योंकि सभी विद्यार्थी संतों ने
अपने-अपने ज्ञान से मूल्य और
जीवन के हर हथयात्रा की ओर
पुण्यात्मा की प्रति अपने अपने भाव
प्रस्तुत किये। सभी सत् पुण्यों ने
देवता जी के परिवर्तन के सभी समस्याओं
को ठोका बंधाया और आशीर्वाद
दिया। मात्र मध्ये विद्यार्थी जो ने
आडियो के माध्यम से अपने
आशीर्वाद दिये वे देवता जी द्वारा
मन लक्ष की परिवर्तन की उठाई
में कोई गहर तपरायी की उठाई नहीं
भूरी प्रशंसा की।

प्रधान भी है, गंडेर गोसाई ने ओपराता संस्करण की अग्रिम में तीन बार संस्कारण द्वारा हम्पुमान चालिसा का पाठ किया। इस प्रकार मुहिम के तहत 192000 की संख्या पर ओपरा ओपराज संघ ने कठाना अजाके हम्पुमान चालिसा पाठ का पाण्य हम्पुमान चालिसा का अपन करते हैं।

वकालत के बाद कहेंगा लाल आपने ने जहाँ एक और भव्यातम प्रसारण प्रत्युत्तिक्रिया वहीं शांति पात से सभी का समर्पण किया।

शहर का शायद ही कोई ऐसा सामाजिक गणनात्मक या आयातिक या राजनीतिक व्यक्ति हो जो अपने द्वारा सुनाम अर्जित कर सके और सभी अवसरों पर इन धाराओं को छोड़ दे सके। सभी के चक्षु में एक अचूक भवित्व बन जाएगा। सभी को अपना धारा बहा रखी थी।

जहाँ पुण्यग्राम की सभी

दिया। गणभाष्य व्यवस्थितो मे स्थै श्री
देव राज अहूरा, एच.एस.चाहला,
धनेन बड़ाज, एस.संग.कामरा, रमेन
कुमार, अनिल कुमार, सुनी धनजा,
हरपाल कुमार, दिलीप लखरा,
यो.पी.कालान, किसिरो लाल दुर्गा,
उदय भान गोवर, अशोक गेहौ, राज
कुमार कुमारी, गिरिराज दाता,
अनिल मनदा, केशव दास गोप्ता,
श्वामी गोप्ता, जगेश रामा गाँवा, अकिल
अलवर, सुभाष अदलला, किरोति

वत्पत्ति नासा, अस्थ कर्मिया, रेशे
मुटानी, सुभाष डुड्जा, सुभाष
प्रापाल, विजय वर्मा, सतीश वर्मा,
नीम प्रकाश वर्मा, राधीर टंडन
सुलभ योवर एडवाकेट, शी. शी.
नन्ददा, गोविंद आहुजा, पुष्पा नाया,
विद्युत्सना वडाज, रचना वडाज,
व्योमिं वर्मा, रमेश मुंजल, पी.एन.
गोपीया, जयपाल बोगाचर्य वे की
गोपीया।

भाजपा और अन्य राजनीतिक पार्टी से बहुत सारे कार्यकर्ता उपस्थित हैं, जिनमें प्रमुखतः न्हू डिवटर एवं मध्य अरोड़ा, मुकेश शर्मा हल्लाबां, कपिल दुआ, हरिवंद गोहेती, सहित जन क्रांति पार्टी के योजक अकित अलव उपस्थित हैं।

पैडल भीम दट ने गहड़ पुराणा न सपाथन विश्विकृत किया। थोड़ा तांग संकरी के आठवाँ पर वेस्टर 12 उत्तराञ्चल में थोड़ावार्धी लोगों मधु शर्मा राजस्थान को बढ़ावा देने के लिए उत्तर हुमायून चाहीदी करता है और दूसरी ओर लोकक रुमा भी अलौ डी-एस-एफ-वेस्टर 14 में कालाके के उत्तरांश उत्तरांश चाहीदी का पाठ बढ़ावा देती है। इनके अंतिम जयपुर विश्वादी ने रिश रहार, इंटर-एफ कलंकार में लोगों सात तक लगाया 30 लोगों नाहिक रूप से मंदिर के प्रथम थोड़ा तांग संकरी के आठवाँ पर थोड़ा-पौरा उत्तर हुमायून चाहीदी का पाठ अंतिम हल्ले से कर रहे हैं। इनकी अंतिम की संख्या लगाया 200 अलग नहीं है।

सबसे तेज... सबसे आगे

Postal No. : P/BWN/47/2023-2025
E-mail : haryanakiaawaz@gmail.com
www.haryanakiaawaz.in

हरियाणा की आवाज

भिवानी, चंडीगढ़, हिमार से एक साथ प्रकाशित

राष्ट्रवादी हिन्दी दैनिक

वर्ष : 14 अंक : 343

भिवानी गुरुवार 01 जून 2023

मूल्य : 3.00 रुपये

कृत पृष्ठ : 8

8:01 AM ✓

बोधराज सीकरी ने 192000 हनुमान चालीसा पाठ का आंकड़ा किया पार

गुरुग्राम। बालाजी मंदिर शिवाजी नगर की संयोजिका हनुमान जी की अनन्य भक्त देवता जी महाराज की प्रार्थना सभा यहां ज्योति पार्क स्थित एक गार्डन में आयोजित की गई। इसमें दो हजार से अधिक लोगों ने सम्मिलित होकर महान विभूति को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि उपरांत सभी ने सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का तीन बार पाठ किया। इस आयोजन में संत समाज भी मंच पर उपस्थित रहा, जिनमें जाने-माने संत शिरोमणि डॉ. स्वामी विवेकानंद जी महाराज, परमाध्यक्ष भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रविन्द्रानन्द जी महाराज भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रूप नारायण दास चित्रकूट, विनोद वैद गोसाई गोपीनाथ मंदिर गुरुग्राम, श्रद्धेय पूनम माता जी मां वैष्णो दरबार गढ़ी हरसरू, डॉक्टर अलका शर्मा ज्योतिषाचार्य और वास्तुकार, हरिधाम मंदिर श्री मेहंदीपुर बालाजी, रुद्रपुर के संस्थापक मनीष जी महाराज, आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के संरक्षक कन्हैया लाल आर्य, केंद्रीय श्री सनातन धर्म सभा के प्रधान सुरेंद्र खुल्लर, देवराज आहूजा, बालकृष्ण खत्री



आदि के साथ उपस्थित रहे। गीता मनीषी स्वामी ज्ञाननंद ने ऑडियो के माध्यम से अपने आशीर्वचन दिये। प्रार्थना सभा और श्रद्धांजलि सभा का संचालन बोधराज सीकरी ने किया। गजेंद्र गोसाई ने बोधराज सीकरी की अगुवाई में तीन बार संगीतमय ढंग से हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस प्रकार मुहिम के तहत 192000 की संख्या पार हुई। बोधराज सीकरी ने कहा कि हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य हम देवता जी को अर्पण करते हैं। गणमान्य व्यक्तियों में देवराज

आहूजा, एचएस चावला, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, सुरेंद्र थेरेजा, हरीश कुमार, दिलीप लूथरा, ओपी कालरा, किशोरी लाल डुडेजा, उदय भान ग्रोवर, अशोक गेरा, राजकुमार कथूरिया, गिरिश दींगड़ा, अनिल मनचंदा, केसरदास ग्रोवर, श्याम ग्रोवर, राजेश गाबा, अंकित अलघ, सुभाष अदलखा, किशोरी लाल, नरेश चावला, किशन चावला, लक्ष्मण पाहुजा, जयदयाल कुमार, वासदेव ग्रोवर समेत अनेक लोग 8:01 AM ✓

Bodhraj Sikri - हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य देवता जी को अर्पण

 VIRAL SACH  May 31, 2023  No Comments  3  4 minute read



Viral Sach : Bodhraj Sikri - मंगलवार 30 मई दीपहर तीन बजे से साढ़े पाँच बजे के बीच में परम श्रद्धेय "देवता जी" महाराज, जी बालाजी मंटिर शिवाजी नगर, गुरुग्राम की संयोजिका थी और हनुमान जी की अनन्य भगत थी, की तेरहवीं और प्रार्थना सभा, आशीर्वाद गार्डन, ज्योति पार्क, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम, में दो हजार से अधिक लोगों ने सम्मिलित होकर महान विभूति की भाव-धीरो ब्रह्माजलि दी। श्रद्धावलि उपरोक्त सभी ने सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का तीन बार पाठ किया।

सत समाज भी मध्य पर उपस्थित रहा जिनमें जाने-माने सत शिरोमणि डॉ. स्वामी विकेन्द्र जी महाराज, परमाध्यक्ष, भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रविन्द्रनन्द जी महाराज, भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रूप नारायण दास चित्रकृष्ण, पूजनीय शिरोमणि डैव नेसाई गोपीनाथ मंटिर गुरुग्राम, एंड्रेय पूरम माता जी मंडपीया दुर्वासा, गद्दी फारसल, टॉवर अडका, शर्मा जानी-जानी ल्लोतियाचार्य और वान्युकार, (पुरम माता जी की बेटी), इरिधम मंटिर श्री मेहरीपुर बालाजी, रुद्रपुर के संस्थापक श्री मनीष जी महाराज, अंर्य प्रतिमिषि सभा हरियाणा के संरक्षक श्री जन्मैया लाल अर्य, केंद्रीय श्री सनातन धर्म सभा गुरुग्राम के प्रधान दुर्वद खुल्लर, देव राज आद्यजा, बाल कृष्ण खड़ी आदि के साथ उपस्थित रहे।



दृश्य श्रद्धावलि सभा कम और सत सम्मेलन का ज्ञापा लगा रहा था, क्योंकि सभी शिरोमणि सभी ने अपने-अपने ज्ञान से मृद्दु और जीवन के रहस्य उजागर किए और पूर्णाद्वा के प्रति अपने-अपने भाव प्रस्तुत किये।

सभी जन पुरुषों ने देवता जी के परिवार के सभी सदस्यों की दाढ़स बधाया और आशीर्वाद दिया। गीता मरीची स्वामी ज्ञाननन्द जी ने आडियो के माध्यम से अपने आशीर्वाद दिये व देवता जी द्वारा राम लल्ला की पवित्र नारी अयोध्या में की गई तपस्या की उड्ढाने भूती-भूती प्रशंसा की।



ग्राहना ज्ञान और श्रद्धावलि सभा का सदृश भेद संचालन दोधराज सीकरी ने किया। सभी के प्रवर्द्धन और वक्तव्य उपरोक्त देवता जी के अनन्य शिष्य, जी बाला जी मंटिर, शिवाजी नगर, गुरुग्राम के प्रधान थी है, गजेंद्र गोपाल ने दोधराज सीकरी की आग्राही में तीन बार संगीतमय छंग से हनुमान चालीसा का पाठ किया।



हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य देवता जी को अर्पण : बोधराज सीकरी

ajeybharat · © Wednesday, May 31, 2023

बोधराज सीकरी ने किया 192000 हनुमान चालीसा पाठ का आँकड़ा पार। लगभग साढ़े बारह हजार श्रद्धालुओं महीने में 30 से अधिक स्थानों पर किया इस जातुर्व संख्या को स्पर्श। “देवता जी” को दी भाव-भीरी दिया।



हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य देवता जी को अर्पण : बोधराज सीकरी

आशा के अनुरूप जून, जुलाई, अगस्त तक और उसके उपरोक्त भी जारी रहेगा यह अभियान - बोध राज सीकरी

गुरुग्राम मंगलवार 30 मई दोपहर तीन बजे से साढ़े पाँच बजे के बीच में परम श्रद्धेय “देवता जी” महाराज, जो बालाजी मंदिर शिवाजी नगर, गुरुग्राम की संयोगिका थी और हनुमान जी की अन्य भगत थी, की तेरहवीं और प्रार्थना सभा, आशीर्वाद गार्डन, ज्योति पार्क, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम, में दो हजार से अधिक लोगों ने सम्मिलित होकर महान विभूति को भाव-भीरी श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि उपरोक्त सभी ने सामृद्धिक श्री हनुमान चालीसा का तीन बार पाठ किया।

संत समाज भी मंच पर उपस्थित रहा जिनमें जाने-माने संत शिरोमणि डॉ. स्वामी विवेकानन्द जी महाराज, परमार्थद्धर, भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रविन्द्रनन्द जी महाराज भगवत धाम हरिद्वार, स्वामी रूप नारायण दास चित्रकूट, पूजनीय विनोद वैद गोसाई गोपीनाथ मंदिर गुरुग्राम, श्रद्धेय पूनम माता जी माँ वैष्णो दरबार, गढ़ी हरसरू, डॉक्टर अलका शर्मा जानी-मानी ज्योतिषाचार्य और वास्तुकार, (पूनम माता जी की बेटी), हरिधाम मंदिर श्री मेहंदीपुर बालाजी, रूद्रपुर के संस्थापक श्री मनीष जी महाराज, अर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के संरक्षक श्री कन्हैया लाल अर्य, केंद्रीय श्री सनातन धर्म सभा गुरुग्राम के प्रधान सुरेन्द्र खुलार, देव राज आहुजा, बाल कृष्ण खन्नी आदि के साथ उपस्थित रहे।



इश्य श्रद्धांजलि सभा कम और संत सम्मेलन का ज्यादा लग रहा था, क्योंकि सभी शिरोमणि संतों ने अपने-अपने ज्ञान से मृत्यु और जीवन के रहस्य उजागर किए और पुण्यात्मा के प्रति अपने-अपने भाव प्रस्तुत किये। सभी संत पूरुषों ने देवता जी के परिवार के सभी सदस्यों को टांडस बंधाया और आशीर्वाद दिया। गीता मनीषी स्वामी ज्ञाननन्द जी ने ऑडियो के माध्यम से अपने आशीर्वाद दिये व देवता जी द्वारा राम लला की पवित्र नारी अदीश्या में की गई तपस्या की उन्होंने भूरी-भूरी प्रशंसा की।

बोधराज सीकरी ने किया 1, 92000 हनुमान चालीसा पाठ का आँकड़ा पार



लगभग साढ़े बारह हजार श्रद्धालुओं ने तीन महीने में 30 से अधिक स्थानों पर किया इस जादुई संखा को स्पर्श - "देवता जी" को दी भाव-भीनी विदाई।

हनुमान चालीसा पाठ का पुण्य देवता जी को अर्पण : बोधराज सीकरी

आशा के अनुरूप जून, जुलाई, अगस्त तक और उसके उपरांत भी जारी रहेगा यह अभियान - बोध राज सीकरी

गुरुग्राम भेगलवाट 30 मई दोपहर तीन बजे से साढ़े पाँच बजे के बीच में पटम श्रद्धेय "देवता जी" महादान, जो बालाजी भादि शिवाजी नगर गुरुग्राम की संयोजिका थी और हनुमान जी की अनन्य भगवत थी, की तेहरी ओट प्रार्थना सभा, आशीर्वाद गार्हन, ज्योति पार्क, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम, में दो हजार से अधिक लोगों ने सम्मेलित होकर महान विश्रुति को भाव-भीनी श्रद्धालूले दी। श्रद्धालूले उपर्यात सभी ने सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का तीन बाट पाठ किया।

संत समाज भी भेंच पट उपस्थिति टहा जिनमे जाने-माले संत शिरीभणि डॉ. द्व्याजी विवेकानंद जी महादान, परमार्थाल्क, भगवत धाम हरिहार, स्वामी टविन्दानन्द जी महादान भगवत धाम हरिहार, स्वामी धृष्ण नाटारायण दास वित्तकूट, पूनकीय विनोद वेद गोमाह गोपीनाथ भट्टिट गुरुग्राम, श्रद्धेय पूनम नाता जी भाँ वेणो दरबार, गढ़ी हरदार, डीर्घर अल्का शार्जी जानी-मानी ज्योतिषाचार्य और वाम्पुकार, (पुनम नाता जी की बेटी), हरिधाम भट्टिट श्री मैंदीपुर बालाजी, कंदपुर के संस्थापक श्री मनीष जी महादान, आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के कंठक्षक श्री कन्देया लाल आर्य, केंद्रीय श्री सनातन धर्म सभा गुरुग्राम के प्रधान सुरेन्द्र खुल्लद, देव टाज आहूजा, बाल कृष्ण ऊर्जी आदि के साथ उपस्थिति रहे।

